मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार- 848125

कुलपति महोदय का संदेश

वर्ष 2020 विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण से वास्तव में बहुत संतोषजनक वर्ष रहा है जिसमें COVID-19 महामारी के बावजूद कई महत्वपूर्ण कार्यो का संपादन किया गया। एक तरफ जहाँ शैक्षणिक गतिविधियों के तहत नए पाठ्यक्रमो का आगाज हुआ,अकादमिक भर्तियां हुईं, परीक्षाओं का ऑनलाइन संचालन, संपादन एवं परिणामों की घोषणाएं हुईं, वही दूसरी तरफ विश्वविद्यालय में आधारभूत संरचनाओं का विनिर्माण कार्य हुआ, अनुसन्धान के नए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित हुए, हरित और सौर ऊर्जा के उपयोग सहित प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया तथा अन्य कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से विश्वविद्यालय को नवाजा गया जिससे प्रसिद्धि मिली।

इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय ने न सिर्फ शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों का ससमय संपादन किया वरन कोरोना महामारी के प्रभाव से प्रभावित हुए बिना सर्वांगीण विकास किया। मैं विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों, संकाय सदस्यों और छात्रों द्वारा दिए गए समर्थन और योगदान की सराहना करता हूं और इन सभी उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई देता हूं।

मैं आशा करता हूँ कि हम नए साल 2021 में विश्वविद्यालय के विकास की गति को न केवल बरक़रार रखेंगे बल्कि नए उत्साह और ऊर्जा के साथ विश्वविद्यालय को एक नयी ऊंचाई पर ले जायेंगे। अंत में मैं, आप सभी को नए साल एवं अच्छे स्वास्थ्य की अनेक शुभकामनाएं देता हूं।

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
माननीय कुलपति

कुलपति महोदय की संलग्नता:

खंड - 2, अंक - 1
जनवरी, 2021

संरक्षक :
डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(माननीय कुलपति)

संकलन एवं संपादन:
डॉ. (राकेश मणि शर्मा
रत्नेश. कु. झा
पी. कु. प्रणव
अंकुर जमवाल
आशीष कु. पंडा
गुप्तनाथ त्रिवेदी
कु. राज्यवर्द्धन)

तकनीकी सहयोग : मनीष कुमार

प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा
www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

- दिनांक 03.12.2020 को वर्चुअल मोड द्वारा कृषि शिक्षा और अनुसंधान विरासत संग्रहालय के उद्घाटन में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, कृषि अनुसन्धान एवं शिक्षा विभाग एवं महानिदेशक भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली, ने किया।

- दिनांक 03.12.2020 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद जयंती समारोह, कृषि शिक्षा दिवस तथा डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के कार्यक्रम की अध्यक्षता किया।
- दिनांक 04.12.2020 को भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली के संस्थानों के निदेशकों के साथ कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के वार्षिक सम्मेलन और इंटरफ़ेस मीटिंग में भाग लिया।
- दिनांक 07.12.2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भा.कृ.अनु.प नई दिल्ली के क्षेत्रीय समिति संख्या पाँच की चौबीसवीं बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 07.12.2020 को कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के स्थापना दिवस समारोह के साथ-साथ महाविद्यालय के पुरातन छात्र समागम समारोह की अध्यक्षता किया।

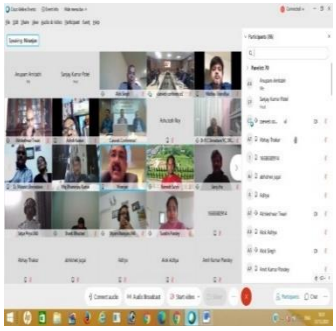

- अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के संघो के 70 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में दिनांक 09-12-2020 को आयोजित " उच्च शिक्षा के भविष्य" नामक विशेष वेबिनार समारोह में भाग लिया।
- दिनांक 10.12.2020 को रा.प्र.के.कृ.वि,पूसा में एकीकृत विश्वविद्यालय प्रबंधन प्रणाली (ई-गवर्नेंस) के कार्यान्वयन से संबंधित बैठक की अध्यक्षता किया।
- दिनांक 11.12.2020 को रा.प्र.के.कृ.वि,पूसा की विस्तारित विस्तार शिक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता किया ।
- दिनांक 14.12.2020 को कृषि उद्योगों में निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए अपनी कृषि शैक्षिक योग्यता बढ़ाने के लिए अवसरों के एजेंडे पर चर्चा करने के लिए ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 14.12.2020 को बिहार के माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में "जल-जीवन-हरियाली कार्यक्रम" के तहत जलवायु स्मार्ट कृषि (क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर) कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

- दिनांक 15.12.2020 को रा.प्र.के.कृ.वि,पूसा की शैक्षणिक परिषद की बैठक की अध्यक्षता किया।
- दिनांक 16.12.2020 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में तेलहनी बीज पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 17.12.2020 को विश्वविद्यालय के उत्पादों के बिक्री हेतु नए विकसित बिक्री केंद्र का उद्घाटन किया।
- दिनांक 18.12.2020 को कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन महाविद्यालय, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा द्वारा आयोजित "स्कोप अपॉर्चुनिटीज़ एंड चैलेंजेस ऑफ़ एग्री-जर्नलिज्म" पर पैनल चर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 19.12.2020 को वर्चुअल मोड में "भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ" की कार्यकारी समिति की बैठक में महासचिव के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 20.12.2020 को ताजपुर के बांद्रा में मशरूम उत्पादन के क्षेत्र दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

- दिनांक 21.12.2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराने के लिए माननीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी के साथ छात्रों के सीधे संपर्क कार्यक्रम में भाग लिया।
- दिनांक 22.12.2020 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा की प्रबंधन बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता किया ।
- दिनांक 22.12.2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वर्ण जयंती फोरेज गार्डन के उद्घाटन सत्र में भाग लिया ।
- दिनांक 23.12.2020 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा में राष्ट्रीय मशरूम दिवस के समारोह की अध्यक्षता किया ।

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियाँ:

- विश्वविद्यालय के सभी स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के "मानसून सेमेस्टर -2020" के अंतिम सत्र की परीक्षाएं ऑन लाइन माध्यम से 21 से 29 दिसंबर.2020 के बीच आयोजित की गयीं | छात्रों के क्रेडिट सेमिनार का संचालन भी ऑन लाइन माध्यम से सफलतापूर्वक किया गया।
- मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली के उन्नीस छात्र-छात्राओं ने अपने इन-प्लांट प्रशिक्षण और ग्रामीण कृषि कार्य (RAWE) को पूरा किया। छात्रों को उनके संबंधित जिलों के कृषि विज्ञान केंद्रों (KVK) के साथ संलग्न किया गया था जहां उन्होंने जलीय कृषि और मत्स्य पालन के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।
- "कृषि-मौसम-विज्ञान एवं अन्य तकनिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से जलवायु अनुकूल कृषि नामक" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन 15-17 दिसंबर, 2020 के दौरान सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज ऑन क्लाइमेट चेंज, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा, में किया गया । भारत, ब्राजील, स्विटजरलैंड, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के विशेषज्ञों ने अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया और मंथन सत्रों के विषयों में अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। जिसमें जलवायु परिवर्तन, चरम मौसम और इसके प्रभाव का आकलन, जैव-स्थिरता के लिए जलवायु आधारित कृषि, फसल मॉडलिंग और जोखिम प्रबंधन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए एग्रोमेटोरोलॉजिकल और भू-स्थानिक जानकारी सेवाएं इत्यादि विषय शामिल थे।
- 8 दिसंबर, 2020 को कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन संस्थान (SAB & RM), पूसा द्वारा "कार्य-क्षेत्र: कृषि-पत्रकारिता के अवसर और चुनौतियां " विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन वर्चुअल मोड के माध्यम से किया गया। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय कृषि को उच्च शैक्षिक परियोजना (एनएएचईपी) के एक भाग के रूप में कृषि-पत्रकारिता पर एक प्रभावी कौशल विकास पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन पर आम सहमति बनाना था। पैनल चर्चा में शैक्षिक और उद्योग जगत के प्रतिष्ठित सदस्य शामिल हुए |
- रा. प्र. के. कृ. वि. , पूसा एवं भारतीय मृदा संरक्षण संघ के सहयोग से 29-30 दिसंबर, 2020 के दौरान "जैव विविधता संरक्षण, खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के लिए सतत मिट्टी और जल प्रबंधन" विषय पर एक राष्ट्रीय वेब सम्मेलन का आयोजन किया गया।.

अनुसन्धान गतिविधियाँ:

हर्बल वाटिका की स्थापना और उद्घाटन

3 दिसंबर, 2020 को माननीय कुलपति द्वारा हर्बल वाटिका का उद्घाटन किया गया, जिसमें 50 से अधिक विभिन्न औषधीय पौधे लगाए गए है। उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक व अन्य अधिकारी एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया।.

स्वर्ण जयंती चारा गार्डन का उद्घाटन

चारा फसलों और उनके उपयोग पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के 50 साल पूरे होने भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली द्वारा इसके सभी 22 केंद्रों को स्वर्ण जयंती चारा गार्डन स्थापित करने के लिए कहा गया था। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति और अधिष्ठाता एवं निदेशकों की मौजूदगी में महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. और सचिव, कृषि अनुसन्धान एवं शिक्षा विभाग ने रा.प्र.के.कृ.वि. में स्थापित स्वर्ण जयंती चारा गार्डन का उद्घाटन वर्चुअल माध्यम से किया।.

उत्पाद विकास: सूखे फूलगोभी

उद्यानिकी विभाग, तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली के खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला में फूलगोभी निर्जलीकरण प्रौद्योगिकी यानी निर्जलित और पीसी हुई फूलगोभी का मानकीकरण किया गया। फलों के जीवन विस्तार के लिए आधार सामग्री के रूप में पपीता और हल्दी के पत्ते का उपयोग करके खाद्य कोटिंग्स भी तैयार किए गए।

- मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, पूसा ने मेसर्स वि.के पैक वेल प्राइवेट लिमिटेड, को-ऑपरेटिव इस्टेट, दादा नगर, कानपुर द्वारा वित्त पोषित "बिहार में विभिन्न फसलों के लिए वर्षा सिंचाई प्रणाली के प्रदर्शन व मूल्यांकन" पर एक परामर्श परियोजना प्राप्त किया है।.

- केन्द्रीय प्रभेद निकासी समिति (सेंट्रल वेराइटी रिलीज़ कमिटी- सीवीआरसी) द्वारा एक बायोफोर्टिफाइड गेहूं किस्म राजेंद्र गेहूं -3 को अधिसूचित किया गया है। इस किस्म की औसत उपज 52 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। इसमें 42 पी.पी.एम. जस्ता और 43 पी.पी.ए.म लोहा है.

.

कृषि प्रसार गतिविधियाँ:

➢ माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार, द्वारा विस्तारित जलवायु परिवर्तनशील कृषि कार्यक्रम का उद्घाटन

बिहार के माननीय मुख्यमंत्री, श्री नीतीश कुमार जी ने बिहार के 30 जिलों में दिनांक 14.12.2020 को जलवायु परिवर्तनशील कृषि कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इससे पहले इस कार्यक्रम को नवंबर, 2019 में बिहार के 8 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था और अब प्रदर्शन और प्रभावों को देखते हुए, कार्यक्रम को बिहार के सभी 38 जिलों तक बढ़ा दिया गया है। उद्घाटन सत्र में बिहार के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रो से लगभग 5000 किसानों के साथ-साथ बिहार सरकार के कृषि विभाग के अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं छात्रों ने भाग लिया।

➢ तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में तिलहन उत्पादन बढ़ाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

बिहार में रेपसीड-सरसों और अलसी के उत्पादन को बढ़ाने के रणनीति पर दिनांक 16.12.2020 को "तिलहन पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना" द्वारा एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । यह कार्यक्रम विशेष रूप से बिहार सरकार के कृषि विभाग के प्रसार कर्मियों के लिए आयोजित किया गया था।

➢ सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा में कृषि में महिलाएं विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

15 से 17 दिसंबर, 2020 के दौरान पुराने कपड़ो से बैग बनाने हेतु "कटाई और सिलाई" पर एक तीन दिवसीय "ऑन-कैंपस" प्रशिक्षण कार्यक्रम सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा द्वारा किया गया | यह कार्यक्रम अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के तहत 'कृषि में महिलाएं' विषय के अंतर्गत आयोजित किया गया। हरपुर तथा भुसकुल गांवों की पच्चीस कृषि महिलाएँ ने उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन रा.प्र.के.कृ.वि.पूसा के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मीरा सिंह की उपस्थिति में निदेशक अनुसंधान डॉ. मिथिलेश कुमार ने किया।

➢ तिरहुत कृषि महाविद्यालय,ढोली द्वारा जनजातीय उप-योजना के तहत प्रशिक्षण और प्रदर्शन

दिनांक 03.12.2020 को सेमरा गाँव, बेतिया (पश्चिम चंपारण) के किसानों के लिए जनजातीय उप-योजना के तहत प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया | पुनः, तिरहुत कृषि महाविद्यालय,ढोली द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 31 दिसंबर 2020 को आयोजित किया गया, जिसमें लुतन गांव, मुजफ्फरपुर जिले के अनुसूचित जाति समुदाय की 50 महिलाओं ने भाग लिया।

➢ रा. प्र. के. कृ. वि.,पूसा के कृषि विज्ञान केन्द्रो में विश्व मृदा दिवस मनाया गया

5 दिसंबर, 2020 को रा. प्र. के. कृ. वि. , पूसा के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रो में विश्व मृदा दिवस मनाया गया | इस कार्यक्रम में 1000 से अधिक किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं सभी कृषि विज्ञान कन्द्रों पर मृदा स्वास्थ्य कार्ड का बंटवारा भी किया गया।.

➢ रा. प्र. के. कृ. वि.,पूसा के कृषि विज्ञान केन्द्रो में किसान दिवस का उत्सव

किसान दिवस 23 दिसंबर 2020 को रा. प्र. के. कृ. वि.,पूसा के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रो में मनाया गया, जिसमें लगभग 1200 किसानो ने भाग लिया। इस अवसर पर, कृषि विज्ञान केंद्र, सरैया ने एक गैर सरकारी संगठन,"गोइंग टू स्कूल" के साथ मिलकर स्कूली बच्चों के लिए 15-दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों के बीच ड्राइंग प्रतियोगिता और निबंध लेखन का भी आयोजन किया गया.

➢ कृषि विज्ञान केन्द्र वैशाली की आर्या परियोजना का मुल्यांकन

डॉ. ए. के. सिंह, पूर्व कुलपति,राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर एवं पूर्व उप महा निदेशक राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, नई दिल्ली ने 16 दिसंबर, 2020 को केवीके वैशाली के आर्या परियोजना का मुल्यांकन किया। इस प्रोजेक्ट के विभिन्न घटकों जैसे मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, बटेर खेती, नर्सरी प्रबंधन और केले फाइबर एक्सट्रैक्शन को बहुत सराहा गया । इस अवसर पर केला फाइबर एक्सट्रैक्शन का लाइव प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया गया। डॉ. एम.एस. कुंडू, निदेशक प्रसार शिक्षा, रा. प्र. के. कृ. वि.,पूसा और डॉ. अंजनी कुमार, निदेशक, कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, पटना इस अवसर पर उपस्थित थे।

➢ कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा आयोजित किसान सम्मेलन सह किसान सम्मान निधि कार्यक्रम

स्वर्गीय प्रधान मंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी की जयंती को मनाने हेतु रा. प्र. के. कृ. वि. , पूसा के कृषि विज्ञान केन्द्रो में पूसा ने 25.12.2020 को किसान सम्मेलन-सह-किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें 2000 से अधिक किसानो ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वर्चुअल मोड में किया। इस कार्यक्रम में किसानो को किसान सम्मान निधि द्वारा सम्मानित किया गया।

➢ कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा आयोजित उपभोक्ता अधिकार संरक्षण कार्यक्रम

24 दिसंबर, 2020 को उपभोक्ता दिवस उत्सव की पूर्व संध्या पर रा. प्र. के. कृ. वि. , पूसा के कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा"जागो ग्रहाक जागो"पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतिभागियों को उपभोक्ता अधिकारों के प्रति संवेदी करण-सह जागरूकता के लिए वीडियो भी दिखाए गए।

➢ राष्ट्रीय मशरूम दिवस का आयोजन

23 दिसंबर, 2020 को मशरूम अनुसंधान के एडवांस सेंटर में राष्ट्रीय मशरूम दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव द्वारा किया गया। मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन पर एक छोटी सी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा इस अवसर पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। आयोजन में 35 महिलाओं सहित 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

ढांचागत विकास,महत्वपूर्ण उद्घाटन,दिवस, खेल,सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां:

➢ विभिन्न सड़कों, चौराहा व रास्तों का नामकरण

विश्वविद्यालय की कई सड़कों और रास्तों का नाम विश्व प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिकों के नाम पर रखा गया है | हरपुर चौराहे से विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार तक की सड़क का नाम डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन रोड प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक और भारतीय "हरित क्रांति" के जनक डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन के नाम पर रखा गया है | यह रोड अब "एम. एस. स्वामीनाथन रोड" के नाम से जाना जाएगा। "विश्वविद्यालय मुख्य द्वार से बैंक चौक तक की सड़क का नाम वर्ष 1968 में चिकित्सा शास्त्र में नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. हर गोबिंद खुराना के नाम पर रखा गया है। इस सड़क को अब "हर गोबिंद खुराना रोड" के नाम से जाना जाएगा | पोल्ट्री फार्म से बैंक चौक को जोड़ने वाली सड़क को 1983 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ एस चंद्रशेखर के नाम पर रखा गया है तथा इस सड़क को अब "एस चंद्रशेखर रोड के नाम से जाना जाएगा।बरगद के पेड़ से मानस मंदिर तक की सड़क का नामकरण भौतिकी में एक और नोबेल पुरस्कार विजेता (1930) डॉ. सी. वी. रमन के नाम पर रखा गया है। अब इस सड़क को "सी. वी. रमन रोड" के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा, विश्वविद्यालय मुख्यालय से कुलपति के निवास को जोड़ने वाली सड़क को अब "पूसा हाउस रोड" के नाम से जाना जाएगा।

➢ कृषि शिक्षा अनुसंधान विरासत संग्रहालय का उद्घाटन

डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती , डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस और कृषि शिक्षा दिवस के अवसर पर दिनांक 3 दिसंबर, 2020 को "कृषि शिक्षा अनुसंधान विरासत संग्रहालय" का उद्घाटन डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर और महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली द्वारा माननीय कुलपति डॉ.आर.सी. श्रीवास्तव, रा. प्र. के. कृ. वि.,पूसा एवं डॉ. ए.के. सिंह, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नयी दिल्ली की गरिमामयी उपस्थिति में ऑनलाइन मोड में किया गया इस शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठातागण, निदेशकगण, कुलसचिव, नियंत्रक एवं समस्त वैज्ञानिक उपस्थित थे। इस संग्रहालय की स्थापना "इंपीरियल कृषि अनुसंधान संस्थान (नौलखा बिल्डिंग)" के अवस्थित स्थान पर किया गया है जहाँ आज भी इसकी नींव पड़ी हुई है।

इस अवसर पर , भा. रा. कृ. प. नयी दिल्ली के महानिदेशक ने कहा कि यह संग्रहालय नयी पीढ़ी को प्रेरित करने हेतु प्रेरणा का एक प्रमुख स्थान और भारत में शिक्षा और अनुसंधान की योजनाओं को बनाने में मददगार साबित होगा । माननीय कुलपति डॉ. रमेश चंद्र श्रीवास्तव द्वारा परिकल्पित इस संग्रहालय की स्थापना ईख अनुसन्धान केंद्र, रा. प्र. के. कृ. वि.,पूसा के निदेशक डॉ. ए के सिंह और वैज्ञानिकों के प्रयासों से फलीभूत हुआ है।

➢ कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय ने 7 दिसंबर 2020 को अपना 38 वां स्थापना दिवस मनाया | समारोह के दौरान उद्घाटन सत्र के प्रमुख अतिथि डॉ. के. के. सिंह, माननीय सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन परिषद, को कृषि के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए कृषि अभियांत्रिकी संघ, पूसा द्वारा 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

➢ दिनांक 16 दिसंबर, 2020 तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में माननीय कुलपति, रा. प्र. के. कृ. वि.,पूसा द्वारा एक फसल कैफेटेरिया का उद्घाटन किया गया। कैफेटेरिया में कुल 37 किस्मों की फसलें बोई गई हैं जो छात्रों, किसानों और प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए एक प्रदर्शन इकाई के रूप में काम करेंगी।

➢ दिनांक 16 से 31 दिसंबर, 2020 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया जिसमे कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना टीम और रा. प्र. के. कृ. वि.,पूसा के अन्य कॉलेजों ने स्वच्छता अभियान चलाया।

➢ दिनांक 3 दिसंबर 2020 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति द्वारा "किसान दैनिकी ई-किसान डायरी " एक एंड्रॉइड आधारित एप्प जो जल्द ही गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से डाउनलोड करने के लिए उपलब्ध होगा, का उद्घाटन किया गया । यह एप्प मौसम से संबंधित भविष्यवाणियों ,वैज्ञानिक उपकरणों और तकनीकों एवं फसल प्रभेदों इत्यादि की जानकारियाँ प्रदान करेगा । यह एप्प विश्वविद्यालय के एरिस सेल के द्वारा विकसित किया गया है।